एक नजर में

जहरीली शराब के साथ दो बदमाश गिरफ्तार

गुना। धरनावदा थाना पुलिस ने अवैध और जहरीली शराब की तस्करी कर रहे दो शातिर पारदी बदमाशों को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस की कड़ाई से पूछताछ में आरोपियों से बुजुर्ग दंपत्ति से लूट और बाइक चोरी की दो अन्य गंभीर वारदातों का भी सनसनीखेज खुलासा हुआ है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर गादेर हाईवे घाट के जंगल से राठौर पारदी (19) और रोमी पारदी (23) को घेराबंदी कर दबोचा। आरोपियों के पास से एक पल्सर मोटरसाइकिल पर दो केनों में रखी 62 लीटर अवैध जहरीली कच्ची शराब बरामद की गई। जांच में पता चला कि वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल पर फर्जी नंबर प्लेट लगी थी, जिसे आरोपियों ने 20 जून को म्याना क्षेत्र से चोरी किया था।

डिजिटल भुगतान से खुला हत्या का राज

गुना। जिले के मृगवास थाना क्षेत्र के ग्राम बांसाहेड़ा में हुई एक युवक की हत्या का पुलिस ने महज 48 घंटे में सनसनीखेज खुलासा किया है। बीती 2 जुलाई को बांसाहेड़ा में सड़क किनारे खजूरिया निवासी 28 वर्षीय आजाद सिंह गुर्जर का शव मिला था, जिसके गले में तौलिया लिपटा था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला घोंटने से मौत की पुष्टि होने पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। तफ्तीश के दौरान पुलिस ने तकनीकी और वैज्ञानिक साक्ष्यों की मदद ली। जांच में पता चला कि घटना की रात मृतक का शराब दुकान पर दो युवकों से विवाद हुआ था, जिन्होंने वहां 'फोन-पे' के जरिए डिजिटल भुगतान के आधार पर पुलिस आरोपियों तक पहुंची। आरोपियों ने कबूला कि मृतक के पिता और गांव के चौकीदार ने वन विभाग से भूमि पर अवैध खेती की शिकायत की थी।

कैंट क्षेत्र में कम, शहर में 'सिस्टम' फुल

गुना में दिनभर झमाझम, पर सरकारी आंकड़ों में सिर्फ 5 .9 मिमी बारिश; 6 से 8 जुलाई तक भारी बारिश का अलर्ट

नवभारत न्यूज

गुना 5 जुलाई का। रविवार को गुना शहर सहित पूरे जिले में सुबह से लेकर रात तक झमाझम बारिश का दौर जारी रहा। आसमान में सुबह से ही घने काले बादल छाए रहे, जो रुक-रुक कर बरसते रहे। गुना मुख्य शहर के अलावा बमौरी, चांचौड़ा और आरोन तहसीलों से भी तेज बारिश की लगातार खबरें सामने आई हैं।

जहां एक तरफ इस झमाझम बारिश से आम जनता पूरी तरह तरबतर नजर आई और मौसम खुशनुमा हो गया, वहीं दूसरी तरफ मौसम विभाग के सरकारी आंकड़ों ने हर किसी को चौंका दिया। सरकारी रिकॉर्ड में रविवार को हुई यह मूसलाधार बारिश महज 5.9 मिलीमीटर ही दर्ज की गई। दिनभर जमीन पर दिखी तेज बारिश और मौसम विभाग के आंकड़ों के बीच नजर आ रहे इस बड़े अंतर के पीछे एक बेहद खास तकनीकी और भौगोलिक वजह सामने आई है। दरअसल, गुना शहर मुख्य रूप से दो हिस्सों— 'गुना शहर' और 'कैंट क्षेत्र' में विभाजित है। मौसम विभाग का आधिकारिक वर्षामापी केंद्र कैंट क्षेत्र में स्थित है। रविवार को स्थानीय स्तर पर मौसम में बड़ा बदलाव देखा गया। गुना शहर के मुख्य रिहायशी और व्यापारिक इलाकों में तो लगातार जोरदार बारिश होती रही, जिससे सड़कों पर पानी बह निकला। लेकिन इसके ठीक विपरीत, कैंट क्षेत्र में बादलों ने उस रफ्तार और तीव्रता से पानी नहीं बरसाया। वर्षामापी केंद्र की इसी खास भौगोलिक स्थिति के कारण सरकारी आंकड़ों में बारिश का ग्राफ काफी कम दर्ज हो रहा है, जो धरातल की वास्तविक स्थिति से बिल्कुल अलग है।

क्या कहते हैं बीते 24 घंटों के सरकारी आंकड़े?

मौसम विभाग से मिली आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, बीते 24 घंटों के दरमियान बारिश का ऑन-रिकॉर्ड आंकड़ा बेहद कम रहा। विभाग द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार शनिवार रात 8:30 बजे से रविवार सुबह 8:30 बजे तक: केवल 1.4 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। रविवार सुबह 8:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक: महज 4.5 मिलीमीटर बारिश दर्ज हुई। इन दोनों अवधियों को मिलाकर कुल दर्ज बारिश का आंकड़ा सिर्फ 5.9 मिलीमीटर ही पहुंच सका। हालांकि, भले ही सरकारी रिकॉर्ड की फाइलों में यह आंकड़ा काफी कम नजर आ रहा हो, लेकिन धरातल पर गुना और उसकी सभी तहसीलों में बारिश का सिलसिला लगातार जारी है।

6 से 8 जुलाई तक भारी बारिश की संभावना

मौसम विभाग के अनुसार, वर्तमान में सक्रिय मौसम प्रणालियों के चलते गुना सहित आसपास के क्षेत्रों में नमी लगातार बढ़ रही है। अनुमान जताया गया है कि 6 से 8 जुलाई के दौरान जिले में मानसून पूरी तरह से रफ्तार पकड़ेगा। इस समयावधि में गुना, बमौरी, चांचौड़ा और आरोन सहित कई इलाकों में गरज-चमक के साथ भारी से अति भारी बारिश होने की पूरी संभावना है। प्रशासन ने भी निचले इलाकों में मुस्तैदी बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।

अधूरी सड़कें बनीं आफत, बस्तियों में बढ़ीं मुश्किलें

मानसून की शुरूआत होते ही शहर के विकास दावों की पोल खुलने लगी है। गुना के जिन वार्डों और बस्तियों में लंबे समय से सड़कों का निर्माण कार्य अटका हुआ है या जहां हाल ही में पाइपलाइन के लिए खुदाई की गई थी, वहां पहली कुछ बारिशों में ही हालात बदतर हो गए हैं।

कच्ची और अधूरी सड़कों पर भारी कीचड़ जमा होने से राहगीरों और वाहन चालकों का निकलना दूभर हो गया है। कई बस्तियों के रास्तों में पानी भर जाने से लोगों को घरों से बाहर निकलने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे स्थानीय निवासियों में रोष है।

जिले में कॉम्बिंग गश्त, 91 वारंटी गिरफ्तार

गुना। अपराधियों पर नकेल कसने के लिए गुना पुलिस अधीक्षक श्रीमती हितिका वासल के नेतृत्व में जिले भर में एक बड़ा सुरक्षा अभियान चलाया गया। गत रात्रि जिले के सभी थाना क्षेत्रों में एक साथ और एक ही समय पर सघन 'कॉम्बिंग गश्त' की गई, जिससे अपराधियों में हड़कंप मच गया। इस बड़ी कार्रवाई के दौरान पुलिस ने विभिन्न मामलों में लंबे समय से फरार चल रहे कुल 91 वारंटियों को गिरफ्तार करने में सफलता मिली। इस मुहिम में सभी थाना प्रभारियों और पुलिस टीमों ने अपने-अपने क्षेत्रों में रातभर दबिश दी। इस दौरान गुंडा-बदमाशों, हिस्ट्रीशीटरों, जिला बदर अपराधियों की व्यापक चेकिंग की गई। विशेष अभियान के तहत पुलिस ने माननीय न्यायालयों द्वारा जारी वारंटों में वांछित 44 स्थाई वारंटियों और 47 गिरफ्तारी वारंटियों को धरदबोचा। पुलिस की इस अचानक हुई चौतरफा कार्रवाई से न केवल फरार आरोपियों की धरपकड़ की।

गुना को अपराध मुक्त बनाने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस का मेगा प्लान

गुना। जिला प्रशासन और पुलिस विभाग गुना जिले को पूरी तरह से अपराध मुक्त और सुरक्षित बनाने के लिए मिलकर एक साझा रणनीति पर काम कर रहे हैं, जिसके तहत अब इस सुरक्षा चक्र में आम जनता से भी सहयोग की बड़ी अपील की गई है। इस कानून-व्यवस्था और सुरक्षा मुहिम को और अधिक गति देने के लिए कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल और एसपी हितिका वासल ने संयुक्त रूप से शहर वासियों के लिए एक विशेष वीडियो संदेश जारी किया है, जिसमें तकनीक और जनभागीदारी के समन्वय पर जोर दिया गया है। प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों ने संयुक्त संदेश में नागरिकों से अपने-अपने घरों, कॉलोनियों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के बाहर हाई-क्वालिटी सीसीटीवी कैमरे लगवाने का विशेष आग्रह किया है। इतना ही नहीं, शहर की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक पुख्ता व चाक-चौबंद करने के लिए इन निजी कैमरों को गुना पुलिस के मुख्य सीसीटीवी कंट्रोल रूम से जोड़ने का भी आह्वान किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य यह है कि शहर के किसी भी कोने में होने वाली संदिग्ध गतिविधियों के फुटेज सीधे पुलिस के पास सुरक्षित रहें, ताकि समय रहते किसी भी गंभीर अपराध को रोका जा सके या फिर अपराध घटित होने की स्थिति में अपराधियों की धरपकड़ तत्काल की जा सके। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने इस मेगा प्लान की तकनीकी जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान में गुना शहर के 400 से अधिक संवेदनशील स्थानों पर पुलिस की 'तीसरी आंख' यानी शासकीय सीसीटीवी कैमरे लगातार नजर रख रहे हैं। अब जिला प्रशासन और पुलिस विभाग ने मिलकर शहर के 1000 से ज्यादा नए स्थानों को सर्विलांस (निगरानी) के दायरे में लाने का एक बड़ा लक्ष्य तैयार किया है।

एसपी ने दी साइबर फ्रॉड से बचने की सीख

दूसरी ओर, गुना एसपी हितिका वासल ने पुलिस मुख्यालय के विशेष निर्देशों पर चलाए जा रहे 'सेफ क्लिक 2.0' अभियान के तहत नागरिकों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया है। उन्होंने बदलते दौर में बढ़ रहे डिजिटल अपराधों का जिक्र करते हुए नागरिकों को ऑनलाइन भुगतान करते समय और मोबाइल का उपयोग करते समय विशेष सतर्कता व सावधानी बरतने की सलाह दी है। एसपी ने आम जनता को सचेत करते हुए कहा कि यदि कोई भी व्यक्ति किसी भी प्रकार की ऑनलाइन धोखाधड़ी, डिजिटल अरेस्ट या साइबर ठगी का शिकार हो जाता है।

बमोरी के जैतपुरा में विकास के दावों की खुली पोल

गुना। एक तरफ जहां सरकार द्वारा ग्रामीण अंचलों में सड़कों का जाल बिछाकर विकास के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं, वहीं गुना जिले की बमोरी विधानसभा से आई एक जमीनी तस्वीर इन दावों की पूरी तरह पोल खोलती नजर आ रही है। बमोरी क्षेत्र के ग्राम पंचायत जौहरी के अंतर्गत आने वाला एक छोटा सा गांव है जैतपुरा, जो आज के आधुनिक दौर में भी विकास की मुख्यधारा से कोसों दूर है। यह गांव आजादी के दशकों बाद भी आज सिर्फ एक अदद पक्की सड़क के लिए तरस रहा है। इस बदहाली का सबसे दर्दनाक और चिंताजनक पहलू यह है कि देश का भविष्य कहे जाने वाले छोटे-छोटे मासूम बच्चे जब हर सुबह सरकारी स्कूल और आंगनवाड़ी के लिए निकलते हैं, तो वे इसी कीचड़ भरे रास्ते में गिरते-पड़ते और गंदे कपड़ों में जाने को मजबूर हैं।

बच्चों के साथ-साथ बुजुर्गों के लिए भी यह रास्ता किसी बड़ी सजा से कम नहीं है, जहां पैदल चलना भी दूभर है। वहीं, आए दिन बाइक सवार इस दलदल में अनियंत्रित होकर फिसल रहे हैं और चोटिल हो रहे हैं।

नवागत मुख्य नगरपालिका अधिकारी गंदगी मिलने पर हुए नाराज

गुना। नगर पालिका के नवागत मुख्य नगरपालिका अधिकारी शैलेष अवस्थी ने पदभार ग्रहण करते ही शहर की चरमराई व्यवस्थाओं को दुरुस्त करना शुरू कर दिया है। रविवार को छुट्टी के दिन भी सीएमओ ने अचानक गुना शहर की सड़कों पर उतरकर औचक भ्रमण किया और सफाई व्यवस्था का धरातलीय जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने विशेष रूप से वार्ड क्रमांक 17 का दौरा कर बस स्टैंड, सब्जी मंडी और जिला अस्पताल के आसपास के संवेदनशील क्षेत्रों का बारीकी से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जब सीएमओ बस स्टैंड क्षेत्र में पहुंचे, तो वहां कई जगह भारी गंदगी और कचरे के ढेर पाए गए। इसे देखकर उन्होंने कड़ी नाराजगी व्यक्त की और मौके पर ही मातहतों को फटकार लगाई। कर्तव्य में घोर लापरवाही बरतने

पर सीएमओ ने सख्त रुख अपनाते हुए संबंधित सफाई कर्मचारी का तीन दिन का और सफाई मैट का एक दिन का वेतन काटने के निर्देश जारी कर दिए। सीएमओ ने दो टूक शब्दों में कहा कि बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन जैसे सार्वजनिक और व्यस्त क्षेत्रों में निरंतर सफाई व्यवस्था बनी रहनी चाहिए। ये शहर के मुख्य प्रवेश द्वार हैं, यहां किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। भ्रमण के दौरान कुछ दुकानदार नगर पालिका के स्वच्छता अभियान में सहयोग न करते हुए अपनी दुकानों के बाहर गंदगी फैलाते पाए गए। ऐसे दुकानदारों के खिलाफ सीएमओ के निर्देश पर मौके पर ही तत्काल चालानी कार्रवाई की गई। इसी कड़ी में, निरीक्षण दल जब कोतवाली गली क्षेत्र में पहुंचा, तो वहां भारी गंदगी व्याप्त थी। क्षेत्र में स्वच्छता मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर नगर पालिका की टीम ने कार्रवाई करते हुए वहां बैठे एक मोची का 500 का चालान काटा। सीएमओ ने साफ चेतावनी दी है कि शहर को साफ और सुंदर रखने के काम में जो भी व्यवधान डालेगा, उस पर इसी तरह सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

सफाई के बाद अगला निशाना: अवैध अतिक्रमण

सफाई व्यवस्था में और अधिक सुधार की जरूरत को स्वीकार करते हुए सीएमओ शैलेष अवस्थी ने अपनी आगामी कार्ययोजना भी स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि हम शहर के विकास और व्यवस्थाओं को सुधारने के लिए चरणबद्ध (स्टेप-बाय-स्टेप) तरीके से काम कर रहे हैं। हमारी पहली प्राथमिकता शहर की सफाई व्यवस्था को पूरी तरह चाक-चौबंद करना है, और इसके तुरंत बाद शहर के मुख्य मार्गों और बाजारों में फैले अवैध अतिक्रमण को हटाने के लिए एक बड़ी मुहिम शुरू की जाएगी।

नानाखेड़ी-उमरी रोड पर सब्जी मंडी का जाम, स्कूली बच्चों और राहगीरों के लिए आफत बना सड़क पर अतिक्रमण, नई मंडी की धीमी रफ्तार से बढ़ी मुसीबत

गुना। शहर की नानाखेड़ी-उमरी रोड पर रोजाना सुबह और शाम के वक्त लगने वाली सब्जी मंडी अब स्कूली बच्चों और आम राहगीरों के लिए एक बड़ी मुसीबत बन चुकी है। मुख्य सड़क पर पसरे दुकानदारों के अतिक्रमण और प्रशासनिक अव्यवस्था के चलते इस व्यस्त मार्ग पर हर समय भारी जाम की स्थिति बनी रहती है। इस अव्यवस्था के कारण सबसे ज्यादा परेशानी और मानसिक तनाव स्कूल आने-जाने वाले मासूम बच्चों और उनके अभिभावकों को उठाना पड़ रहा है। स्थानीय निवासियों और अभिभावकों के मुताबिक, नानाखेड़ी-उमरी रोड पर ट्रैफिक का दबाव पहले से ही काफी अधिक है, और ऊपर से सड़क के दोनों ओर सजने वाली सब्जी दुकानें इस मार्ग को और संकरा कर देती हैं। इसके चलते स्कूली बसें, वैन और ऑटो घंटों इस लंबे जाम में फंसे रहते हैं। स्कूल के लिए देर होने के डर से मासूम बच्चे अक्सर स्कूल वैन या ऑटो से बीच रास्ते में ही उतर जाते हैं। इसके बाद वे भारी-भरकम वाहनों और बेलगाम दौड़ते ट्रैफिक के बीच से जैसे-तैसे रास्ता बनाते हुए पैदल स्कूल जाने को मजबूर हैं। इस बेहद व्यस्त सड़क पर हर पल हादसों का डर बना रहता है, लेकिन स्थानीय प्रशासन इस दैनिक अव्यवस्था को लेकर पूरी तरह मूकदर्शक बना बैठा है।

भूमि पूजन के बाद भी काम ठप, कब मिलेगी राहत?

चौंकाने वाली बात यह है कि प्रशासन के पास इस समस्या का

स्थाई समाधान पहले से मौजूद है। गुना की इस नई सब्जी मंडी को एकलव्य विद्यालय के पास विधिवत जगह आवंटित की जा चुकी है। इतना ही नहीं, क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में नई मंडी का भूमि पूजन भी बेहद धूमधाम से संपन्न हो चुका है। प्रशासनिक योजना के मुताबिक, एकलव्य विद्यालय के पास एक आधुनिक सर्वसुविधायुक्त मंडी का निर्माण होना है, जिसके तैयार होते ही पूरी नानाखेड़ी सब्जी मंडी को वहां शिफ्ट कर दिया जाएगा।

हज से लौटने पर गुना में भव्य स्वागत, देश में अमन-चैन और भाईचारे की दुआ की

गुना। म.प्र.कौमी खिदमतगार समिति, गुना द्वारा हज यात्रा से सकुशल लौटे गुना जिले के हाजी साहिबानों के सम्मान में भव्य स्वागत एवं सम्मान समारोह हुआ। जिसमें सभी हाजी यात्रियों का फूल-मालाओं से स्वागत कर उन्हें हज की मुबारकबाद दी गई तथा उनके स्वस्थ, सुखमय एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। समारोह में मध्य प्रदेश कौमी खिदमतगार समिति के प्रदेश अध्यक्ष इमरान पठान, समिति के जिला अध्यक्ष इकबाल खान, भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं वक्फ बोर्ड के पूर्व जिला अध्यक्ष राशिद खान, अशफाक खान, एडवोकेट असलम कुरैशी, मध्य प्रदेश नेशनल मीडिया फाउंडेशन के प्रदेश महासचिव एडवोकेट शराफत उल्लाह खान उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान हाजी साहिबानों ने हज यात्रा के अनुभव साझा करते हुए मक्का मुकर्रमा एवं मदीना मुनव्वरा में 40 दिनों तक की गई इबादत के महत्व पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर कौमी खिदमतगार समिति के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष स्वर्गीय जफर पठान के समाजसेवा एवं संगठन के प्रति समर्पण को भी याद किया गया। उपस्थित वक्ताओं ने उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए

कहा कि उन्होंने समाज में एकता और सेवा की भावना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। हाजी साहिबानों के स्वागत एवं सम्मान का यह कार्यक्रम समिति से जुड़े स्वर्गीय सैफुद्दीन (पुत्र रेहान खान) के निवास पर आयोजित किया गया, जहां सभी अतिथियों एवं समाजजनों ने गर्मजोशी से हाजियों का इस्तकबाल किया। सम्मानित हाजी साहिबानों में हाजी नईम खान, हाजी जुनैद फारुकी, हाजी रशीद मोहम्मद कुरैशी, हाजी शाबिर खान, हाजी सैयद मोअज्जम खान एवं हाजी रज्जाक खान प्रमुख रूप से शामिल रहे। समापन सभी हाजी साहिबानों के सम्मान, आपसी भाईचारे तथा देश की तरक्की और खुशहाली की दुआ के साथ हुआ।

आक्रोश | गुना में जुटे पुजारी, मांगें न मानने पर दी भोपाल में उग्र आंदोलन की चेतावनी

मंदिर माफी की जमीनों की नीलामी के फैसले पर संतों का गुस्सा

गुना। प्रदेश सरकार द्वारा मंदिर माफी की जमीनों की नीलामी के लिए जारी किए गए नए आदेश के विरोध में धर्म नगरी गुना में संतों और पुजारियों ने लामबंद होना शुरू कर दिया है। इस विवादित फैसले के खिलाफ रविवार, 5 जुलाई को दोपहर में भुजरिया तालाब स्थित प्रसिद्ध लक्ष्मी नारायण मंदिर परिसर में एक महत्वपूर्ण पत्रकार वार्ता और 'मठ मंदिर पुजारी संघ' की जिला स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। यह पूरी गतिविधि क्षेत्र के प्रमुख धमार्चार्यों और पंडित लखन शास्त्री के नेतृत्व में संपन्न हुई। बैठक और पत्रकार वार्ता में गुना जिले भर के विभिन्न अंचलों से आए मंदिरों के पुजारी, धमार्चार्य और बड़ी संख्या में संतगण शामिल हुए। बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रमुख संतों ने दो टूक शब्दों में कहा कि सरकार

का यह कदम पूरी तरह से जनभावनाओं और धार्मिक आस्था के विपरीत है। धमार्चार्यों और पंडित लखन शास्त्री ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि मंदिर की जमीनें विशुद्ध रूप से धार्मिक आस्था, परंपरा और सुचारू पूजा-पाठ से जुड़ी हुई हैं। सरकार द्वारा इनकी नीलामी करने से न केवल करोड़ों सनातनियों की धार्मिक भावनाएं आहत होंगी, बल्कि सदियों पुराने इन प्राचीन मंदिरों का अस्तित्व और उनकी व्यवस्थाएं भी पूरी तरह खतरे में पड़ जाएंगी। संतों ने ऐतिहासिक तथ्य रखते हुए स्पष्ट किया ये मठ-मंदिर और इनसे लगी हुई जमीनें न तो सरकार की हैं और न ही कभी सरकार ने इन्हें दान में दिया है। ये सभी अत्यंत प्राचीन मंदिर हैं, जिन्हें तत्कालीन राजा-महाराजाओं और दानदाताओं ने बनवाया था। इन जमीनों को दान में देने का मुख्य उद्देश्य यही था कि इनके राजस्व से मंदिर का रख-रखाव हो, सुचारू सेवा-पूजा चले और वहां रहने वाले पुजारी का भरण-पोषण हो सके।

गांव-गांव दी जाएगी दस्तक

पुजारियों को शासन द्वारा भेजे जा रहे नोटिसों से भड़के पुजारी संघ ने अब इस लड़ाई को चरणबद्ध तरीके से पूरे प्रदेश में ले जाने का निर्णय लिया है। संघ के पदाधिकारी और संत शीघ्र ही जिले के गांव-गांव जाकर मठ-मंदिरों के पुजारियों को इस आंदोलन से जोड़ेंगे। हर गांव, तहसील और ब्लॉक स्तर पर विशेष बैठकें आयोजित कर विरोध का दायरा बढ़ाया जाएगा। शुरूआत में सरकार से इस जनविरोधी आदेश को वापस लेने का आग्रह किया जाएगा। यदि सरकार अपनी जिद पर अड़ी रही, तो सभी पुजारी और धर्मप्रेमी भोपाल कूच करेंगे और वहां बड़ा धरना-प्रदर्शन करेंगे।

जमीन लेनी है तो लें, लेकिन पुजारियों को दें सरकारी कर्मचारी का दर्जा

संघ ने सरकार के सामने एक बड़ी शर्त रखते हुए कहा कि यदि शासन को लगता है कि यह जमीन और संपत्ति उसकी है, तो सरकार बेशक इन्हें अपने कब्जे में ले ले। लेकिन ऐसी स्थिति में सरकार को मंदिर के पुजारियों को 'सरकारी कर्मचारी' घोषित करना होगा। सरकारी कर्मचारियों की तर्ज पर पुजारियों को भी प्रतिमाह सम्मानजनक वेतन, भत्ते और वे तमाम शासकीय सुविधाएं प्रदान की जाएं जो एक कर्मचारी को मिलती हैं। संतों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते उनकी इन जायज मांगों को स्वीकार नहीं किया गया, तो पूरे मध्य प्रदेश में एक उग्र आंदोलन खड़ा किया जाएगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी।

सेफ क्लिक अभियान के 11वें दिवस पर पुलिस की साइबर जागरुकता मुहिम

कुंभराज। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा संचालित राज्य स्तरीय विशेष साइबर जागरूकता अभियान 'सेफ क्लिक 2.0' अभियान के 11वें दिवस कुंभराज पुलिस द्वारा व्यापक जन-जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया अभियान के दौरान आज थाना कुंभराज थाना प्रभारी पंकज त्यागी, उप निरीक्षक रंगलाल मेर द्वारा शासकीय कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए । कार्यक्रमों के माध्यम से नागरिकों को ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी, डिजिटल अरेस्ट, ओटीपी फ्रॉड, फर्जी लिंक, सोशल मीडिया हैकिंग, साइबर ब्लैकमेलिंग एवं अन्य साइबर अपराधों के तौर-तरीकों से अवगत कराते हुए उनसे बचाव के प्रभावी उपायों की जानकारी दी गई पुलिस अधिकारियों ने आमजन से अपील की कि किसी भी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी या संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधि की स्थिति में बिना विलंब राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करें तथा राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं, जिससे समय रहते आवश्यक कार्यवाही कर आर्थिक नुकसान को रोका जा सके।

न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विशेष विवाह अधिकारी, जिला गुना (म.प्र.)

(विज्ञप्ति)

आवेदकगण बृजमोहन माली (विधुर) पुत्र श्री रामचरण माली (आयु 25 वर्ष) निवासी केवट मोहल्ला चांचौडा तहसील चांचौडा जिला गुना म.प्र. एवं मुस्कान माली पुत्री श्री रामचरण माली (आयु 22 वर्ष) निवासी तलेटी मोहल्ला चांचौडा तहसील चांचौडा जिला गुना म.प्र. द्वारा आधार कार्ड, शपथ पत्र तथा उचित शीर्ष में 100 रुपये का चालान आदि दस्तावेज पेश कर मय साक्षियों सहित विशेष विवाह अधिनियम 1954 की धारा-5 के तहत आशयित विवाह कराये जाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया है।

यदि किसी व्यक्ति को इस विवाह के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई शिकायत अथवा आपत्ति हो तो वह इस संबंध में दिनांक 20.07.2026 तक अपनी आपत्ति अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी जिला गुना के कार्यालय में कार्यालयीन समय प्रातः 10:00 बजे से 06:00 बजे तक दर्ज करा सकते है। नियत दिवस व्यतीत होने पर किसी प्रकार की शिकायत/आपत्ति स्वीकार योग्य नहीं होगी।

(अखिलेश कुमार जैन)
अपर कलेक्टर
एवं विशेष विवाह अधिकारी
जिला गुना म0प्र0